Regarding need to raise the Fair and Remuneration Price (FRP) of Sugarcane to Rs. 550 per quintal-laid

श्री मलूक नागर **(**बिजनौर**):** पिछले करीब 6 सालों से एक बार ₹25 एक बार ₹10 और वर्तमान समय में केवल मात्र ₹20 गन्ने के रेट बढ़े हैं, और पिछले करीब 5.7 सालों में, मैने देश की संसद में करीब 23 बार अलग-अलग प्रावधानों के तहत इस मुद्दे को उठाया है व देश की सरकार और उत्तर प्रदेश की सरकार को करीब 25 बार पत्र लिखा है । मैने हमेशा दो चीजों को ध्यान में रखकर इस मुद्दे को उठाया है, किसानों की आय दोगुनी कैसी हो, और अगर किसानों के घर में भी नौकरी की तरह उनकी भी तनख्वाह जोड़ें, नालई का, बुवाई का, जुताई का और बिजली का बिल आदि का खर्चा जोड़े तो किसानों को एक पैसा भी नहीं बचता है, और अगर पिछले 06 सालों की सरकार द्वारा बढ़ी हुई महंगाई माने तो किसी वर्ष में 7.+%, तो किसी वर्ष 8.+% किसी वर्ष मे 8.5% किसी वर्ष 9.+% किसी वर्ष में 10.5% किसी मे 11.+ % बढ़ी है, तो करीब पिछले 6 सालों में 80% बैठती है, जो ₹300 प्रति क्विंटल महंगाई बैठती है, यानी कि बेसिक रेट में ₹300 जोड़े तो करीब ₹670 बैठता है, तो हम सरकार से मांग करते है कि कम से कम गन्ने का रेट ₹550 होना चाहिए ।